

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

चर्चा में क्यों?

शोधकर्ताओं ने राजस्थान के **डेजरट नेशनल पार्क (DNP)** में 12 **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB)** देखे। इससे भारत की सबसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों में से एक को संरक्षित करने के प्रयासों को बढ़ावा मिला है।

मुख्य बहु

- **GIB जनसंख्या स्थिति:**
 - GIB गंभीर रूप से संकटग्रस्त है तथा केवल 173 पक्षी ही बचे हैं।
 - इनमें से 128 प्रजातियाँ वनों में नविस करती हैं, जबकि अन्य पक्षियों को कैद में रखा जाता है।
 - राजस्थान के अलावा यह प्रजाति गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी पाई जाती है।
- **संरक्षण प्रयास:**
 - शक्तिर, आवास की क्षतियों और वर्खिंडन के कारण वर्ष 2011 में **IUCN रेड लिस्ट** में GIB को "गंभीर रूप से संकटग्रस्त" के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।
 - इसके जवाब में, राजस्थान ने इस प्रजाति के संरक्षण के लिये वर्ष 2013 में 12.90 करोड़ रुपए की परियोजना शुरू की, जिसका उद्देश्य इसके आवास की सुरक्षा और प्रजनन की स्थितिमें सुधार पर ध्यान केंद्रित करना था।
 - इस परियोजना के तहत दो स्थानों, सम और रामदेवरा में 45 बस्टर्ड का सफल प्रजनन किया गया।
- **आवास संरक्षण और प्रजनन:**
 - देखे गए पक्षी जंगल में पैदा हुए थे, जिनमें से अधिकांश मादाएँ तीन से चार वर्ष की थीं तथा कुछ नर एक वर्ष तक के थे।
 - उनके आवास की सुरक्षा के प्रयासों में घास के मैदानों में सुधार करना और पक्षियों को **राष्ट्रीय लोमड़ियों**, बल्लियों और **नेवलों** जैसे शक्तिरियों से बचाने के लिये बाड़ लगाना शामिल है।
- **संरक्षण में मील का पत्थर:**
 - वर्ष 2018 में **भारतीय वन्यजीव संस्थान** ने राजस्थान सरकार और वन विभाग के साथ मिलकर जैसलमेर में **राष्ट्रीय संरक्षण प्रजनन केंद्र** की स्थापना की।
 - अक्टूबर 2024 में, राजस्थान ने एक मील का पत्थर प्राप्त किया जब कृत्रमि गर्भाधान के माध्यम से एक ग्रेट इंडियन बस्टर्ड का सफलतापूर्वक जन्म हुआ।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड



- परचियः

- राजस्थान का राज्य पक्षी ग्रेट इंडियन बुस्टर्ड (Great Indian Bustard) भारत का सबसे संकटग्रस्त पक्षी माना जाता है।
- इसे प्रमुख घासभूमि प्रजाति माना जाता है, जो घासभूमि पारस्थितिकी के स्वास्थ्य का प्रतनिधित्व करती है।

- संरक्षण स्थिति:

- IUCN रेड लिस्ट: गंभीर रूप से संकटग्रस्त
- वन्य जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की लुपतपराय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कनवेंशन (CITES): प्रशिष्ट 1
- प्रवासी प्रजातियों पर कनवेंशन (CMS): प्रशिष्ट 1
- वन्यजीव (संरक्षण) अधनियम, 1972: अनुसूची ।

मरुस्थल राष्ट्रीय उद्यान

- यह राजस्थान के जैसलमेर और बाढ़मेर ज़िलों में स्थिति है।
- इस उद्यान (पार्क) में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, राजस्थान का राज्य पशु- चकिरा और राज्य वृक्ष- खेजड़ी और राज्य पुष्प- रोहड़ि प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं।
- इसे 1980 में UNESCO विश्व धरोहर स्थल तथा 1992 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया।